an>

Title: Regarding inauguration of Trauma Centre twice in Ashok Nagar district of Madhya Pradesh.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: महोदया, मैं एक बहुत ही गंभीर विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।...(व्यवधान) 21 जुलाई को मध्य प्रदेश के अशोक नगर में वहां के शासकीय चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर का उद्घाटन स्थानीय विधायक श्री गोपीलाल जी जाटव, जो कि पूर्व मंत्री रहे हैं, उनके द्वारा उस ट्रामा सेंटर का उद्घाटन किया गया जिसमें वहां के नगरपालिका अध्यक्ष, शासकीय चिकित्सालय के सभी वरिÂठ अधिकारी और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।...(व्यवधान) उनके उपस्थिति में ट्रामा सेंटर का उद्घाटन किया गया, लेकिन उद्घाटन होने के बाद संसद के एक महत्वपूर्ण सदस्य, वहां के सांसद â€¦* के प्रतिनिधि...* श्री तामरे ने इस तरह का एक वक्तव्य दिया कि वहां पर एक दलित विधायक के द्वारा जिस स्थान का उद्घाटन किया गया है, वहां पर गंगा जल का छिड़काव करके उस स्थान को पवित्र किया जाएगा और दोबारा उस स्थान का उद्घाटन किया जाएगा।...(व्यवधान) वहां पर 22 तारीख को गंगा जल का छिड़काव करके â€¦* द्वारा उस स्थान का दोबारा उद्घाटन किया गया।...(व्यवधान) उस स्थान का उद्घाटन 22 तारीख को किया गया। इससे कांग्रेस के सामंतवादी नीयत और दोहरा चेहरा सामने आ गया।...(व्यवधान) एक तरफ ये लोग गांधीवादी होने का दावा करते हैं, अस्पृश्यता निवारण की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर दलित समाज के प्रतिनिधि के प्रति इनका कितना प्रेम है, इस ट्रामा सेंटर के उद्घाटन से यह बात सामने आ गई।...(व्यवधान) पूरे देश का अनुसूचित जाति समाज इस घटना से बहुत ज्यादा उद्वेलित है।...(व्यवधान) इससे अनुसूचित जाति समाज में काफी असंतोष है।...(व्यवधान)

हमने एक ओर देश के सर्वोच्च स्थान पर महामहिम राष्ट्रपति के पद पर अनुसूचित जाति समाज के व्यक्ति को, अधिकांश दलों का सहयोग लेकर स्थापित करने का काम किया है और दूसरी ओर कांग्रेस के नेताओं ने एक दलित विधायक का अपमान करके, पूरे दलित समाज को अपमानित करने का काम किया है। ...(व्यवधान)

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस घटना में संलग्न रहने वाले...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

डॉ. सत्यपाल सिंह,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्रीमती रीती पाठक,

श्री शरद त्रिपाठी,

श्री आलोक संजर,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर तथा

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री मनोहर ऊटवाल (देवास) ः माननीय अध्यक्ष महोदया, यह घटना अशोक नगर में कोई पहली बार नहीं हुई है।...(व्यवधान) मैं अशोक नगर जिले का प्रभारी मंत्री भी रहा हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष ः आप सहयोगी बन सकते हो न।

â€¦(व्यवधान)

श्री मनोहर उटवाल ः जी, मेरा निवेदन है कि पहले भी अशोक नगर के विधायक श्री लड्डू राम कोरी के पत्थर तथा उनके शिलालेख को इसी प्रकार से गंगा जल से धोया गया था।...(व्यवधान) उसके बाद राजा–महाराजा वहां जाकर उस स्थान को गंगा जल से धोकर अपना शिलालेख लगाते हैं।...(व्यवधान) इसमें खास बात यह है कि एक भी दलित नेता, एक भी अनुसूचित जाति वर्ग का नेता अपना पत्थर इनकी लोक सभा क्षेत्र में गाड़ ही नहीं सकता है।...(व्यवधान) यह इनका आतंक है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब सहयोगी बन सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मनोहर उटवाल : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं ...(व्यवधान) मैं बहुत तथ्यात्मक बात कर रहा हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब लोग सहयोगी बनिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मनोहर उटवाल : इस पर चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)